हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता एवं विचारधारायें

डॉ. कीर्ति शर्मा

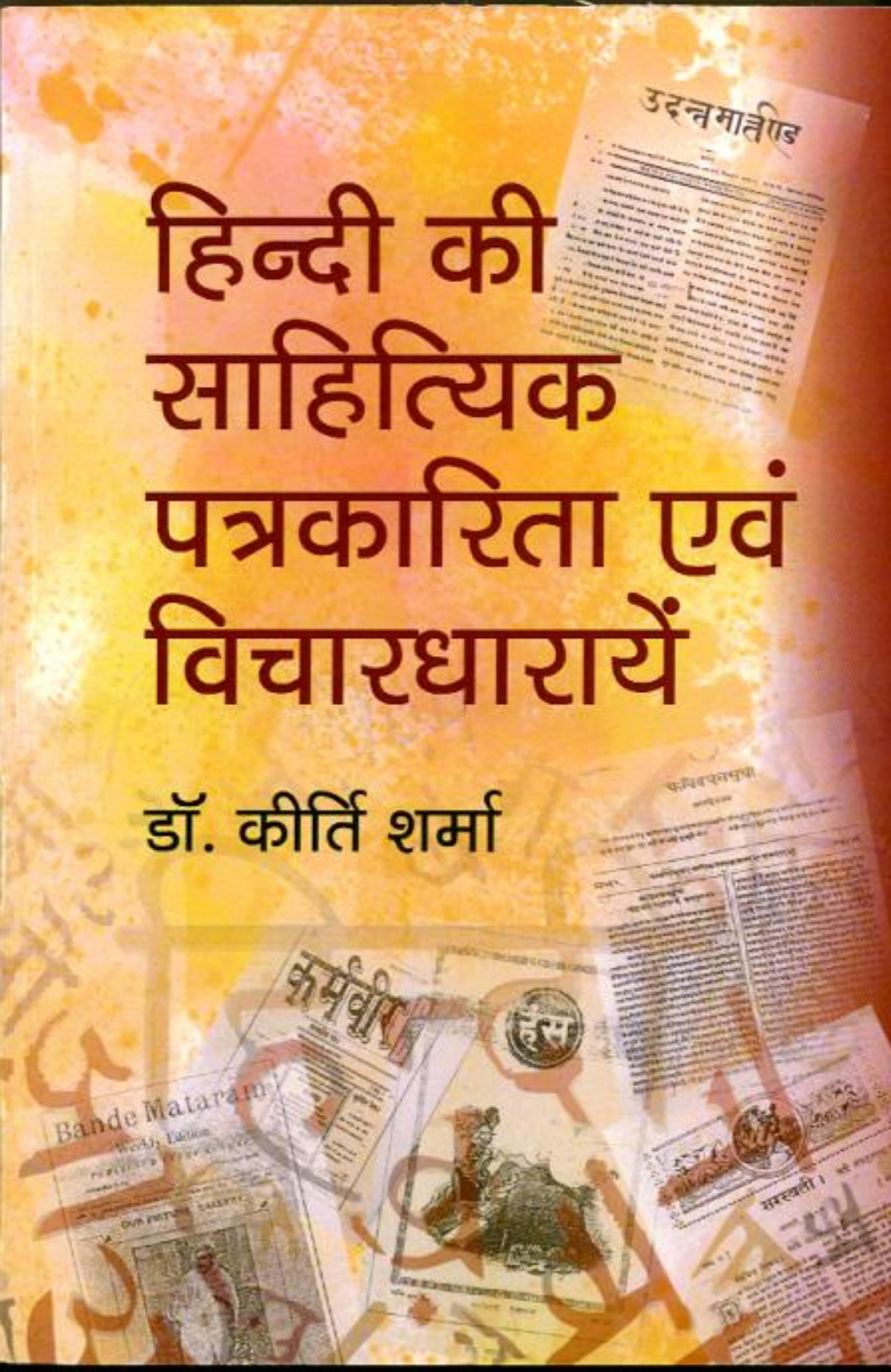

Published by :

SATISH SERIAL PUBLISHING HOUSE

403, Express Tower, Commercial Complex, Azadpur, Delhi-110033 (INDIA)
Phone : 011-27672852 Fax : 91-11-27672046
E-mail : info@satishserial.com, hkjain1975@yahoo.com

© Publisher

ISBN : 978-93-53870-44-7
E-ISBN : 978-93-53870-45-4

© 2021. All rights reserved, no part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise without the prior written permission of the publisher and also the copyright rights of the printing, publishing, e-book of this edition and subsequent editions will vest with the publisher. All Computer floppies, CD's, e-book and in any other form relating to this book will be exclusive property of the publisher.

This book contains information obtained from authentic and highly regarded sources. Reasonable efforts have been made to publish reliable data and information, but the publisher cannot assume responsibility for the validity of all materials or the consequences of their use. The publisher have attempted to trace and acknowledge the copyright holders of all material reproduced in this publication and apologize to copyright holders if permission and acknowledgements to publish in this form have not been obtained. If any copyright material has not been acknowledged please write and let us know so that we may rectify it.

Composed, Designed & Printed in India

हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता एवं विचारधारायें

पत्रकारिता समय के प्रत्येक क्षण को समाचार के संकलन, संपादन, प्रकाशन तथा प्रेषण की पद्धतियों द्वारा सामान्य जन तक पहुँचाती है। इसका उद्देश्य ही है मानव समाज में निरंतर श्रेष्ठ मूल्यों का विकास करना। वह शोषण, दमन की नीतियों को सामने लाती है, और उनका जनता की ओर से विरोध करती है। मूल रूप से पत्रकारिता रचनात्मक प्रवृत्तियों का विकास ही करती है। पत्रकारिता की शक्ति के संबंध में अत्यन्त सहजता से महाकवि अकबराबादी ने कहा है–
खींचो न कमान को न तलवार निकालो। जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।।

अतएव, लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारों का दायित्व बढ़ जाता है। पत्रकारिता की एक लंबी और सुदीर्घ परंपरा रही है। यह सदैव युग की चेतना का दस्तावेज रही है। इसमें साहित्यिक, सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा अन्य विषयों से संबंधित गतिविधियाँ समय–समय पर अभिव्यक्त होती रही। मनुष्य समाज सदैव इससे मार्गदर्शन लेता रहा है। पत्रकारिता से साहित्यिक भाषा, विधाएँ एवं विभिन्न विचारधाराओं का विकास हुआ है। जीवन को देखने–समझने की दृष्टि या विचार को जब एकवाद या सिद्धांत का रूप मिलता है तो वह विचारधारा कहलाती है। साहित्य में सदैव विचारधारा उपस्थित रहती है और काम करती है, क्योंकि विचारधारा के बिना साहित्य हो ही नहीं सकता। विचारधाराएँ साहित्य के माध्यम से समाज को प्रेरित करती हैं तथा साहित्य में विचारधारा का महत्व आदर्श समाज के विकास में सहायक होता है। विचारधारा दृष्टिकोण को लेकर चलने वाली बहस है। जीवन–जगत को अलग–अलग कोणों से हम देखते हैं और बहस करते हैं कि सच यही है। साहित्यिक पत्रकारिता समसामयिक विचारधाराओं एवम् विमर्शों को तर्क के आधार पर प्रस्तुत करते हुए सामान्य जन की आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करती है। साहित्यिक पत्रिकाओं का मुख्य उद्देश्य विचारधाराओं के संदर्भ में जनता के सपनों –आदर्शों को विकास हेतु प्रेरित करना हैं। ये पत्रिकाएँ साहित्य और विभिन्न कलाओं के स्वरूप विकास की साक्षी रहकर उनके सम्बंध में एक दृष्टिकोण का निर्माण करती हैं। इन पत्रिकाओं का महत्व इस दृष्टि से स्वतः सिद्ध है कि किसी भी विचारधारा, आंदोलन, कलाओं के विमर्श एंव गम्भीर चिंतन को इनके माध्यम से ही प्रामाणिक माना जाता है। पत्रिकाओं ने विचारधाराओं की, विमर्शों की वर्तमान में प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को सिद्ध करते हुए समाज में इनके प्रति आस्था तथा जागरूकता पैदा की है। अनेक विसंगतियों एवं यातनाओं से जूझते मनुष्यों को विकास का मार्ग बताया है। अतः साहित्यिक पत्रिकाओं ने अपने समय में समाज के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है। वस्तुतः साहित्यिक पत्रिकाओं ने अपने जन्म के साथ ही अन्याय और अत्याचार से प्रतिरोध की शक्ति प्राप्त कर ली थी। इसलिये जब–जब भी समाज में मनुष्यों के अधिकारों का हनन होता है, पत्रिकाएँ सदैव मानवता के पक्ष में अधिकारों की रक्षा के लिये मार्गदर्शन करती हैं।

SSPH

SATISH SERIAL PUBLISHING HOUSE
403, Express Tower, Commercial Complex, Azadpur, Delhi - 110033 (India)
Phone : 011-27672852, Fax : 91-11-27672046
E-mail : info@satishserial.com, hkjain1975@yahoo.com
Website : www.satishserial.com

ISBN 9789353870447

Rs. 1450.00